हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 2 जून 2026

13 महंगाई पर इनेलो में रोष प्रदर्शन कर सरकार की ...

14 इंजीनियर बेटी ने निभाया हर फर्ज, मौत के बाद मुखाग्नि...

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में देखने को मिलेगा मौसम में बदलाव

जून में भी देखने को मिलेगा मौसम में उलटफेर, सक्रिय होंगे 7-8 पश्चिमी विक्षोभ, अंधड़ और हल्की बारिश की सम्भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मई महीने में लगातार मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिला। पहले पखवाड़े में बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील बना रहा। वहीं बादलों की आवाजाही और तेज गति की हवाओं के साथ हल्की बारिश बूंदाबांदी तथा ओलावृष्टि की गतिविधियों से सम्पूर्ण इलाके में दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने रहे। जबकि दूसरे पखवाड़े में किसी भी मौसम प्रणाली का असर नहीं होने से धीरे-धीरे तापमान में बढ़ोतरी और आग उगलने वाली गर्मी प्रचंड हीट वेव लूं देखने को मिली, लेकिन मई महीने के अंतिम दिनों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव आंधी अंधड़ और हल्की बारिश बूंदाबांदी के साथ ओलावृष्टि की गतिविधियों ने सम्पूर्ण इलाके से भीषण आग उगलने वाली गर्मी का सफाया कर दिया, जिससे तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है।

जून महीने में भी मौसम में उलटफेर देखने को मिलेगा, क्योंकि जून महीने में भी 7-8 पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे और साथ ही साथ बंगाल की खाड़ी व अरब सागर पर भी दो-चार लो प्रेशर एरिया व डिप डिप्रेशन बनने की सम्भावना बन रही है। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बार बार मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

प्री मानसून गतिविधियां देखने को मिलेगी

जून महीने के पहले पखवाड़े में बार-बार मौसम में बदलाव आंधी अंधड़ चलने और हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है। जून महीने के पहले पखवाड़े में दो जून रात, इसके बाद चार जून, 10 जून व 13 जून को एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बीच बीच में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में तापमान में बढ़ोतरी भी देखने को मिलेगी। जून महीने में लूं के दिनों में कमी देखने को मिलेगी। दूसरे पखवाड़े के पहले सप्ताह लगातार दक्षिणी पश्चिमी हवाओं से आग उगलने वाली गर्मी के स्थान पर उमसभरी पसीना छूटाने वाली गर्मी से आमजन को रूबरू होना पड़ेगा। वहीं 19 जून को एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने तथा अरब सागर पर बने लो प्रेशर एरिया का असर राजस्थान तक पहुंचने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। जिससे हरियाणा एनसीआर दिल्ली में प्री मानसून गतिविधियां देखने को मिलेगी।

जून माह में सामान्य से अधिक रहेगी बारिश

इस साल मानसून अपने निर्धारित समय से पहले अंडेमान निकोबार द्वीप समूह पर पहुंच गया था, लेकिन अभी भी मानसून भारत की मुख्य भूमि पर नहीं पहुंच पाई है, जो तीन जून तक पहुंचने की सम्भावना बन रही है, जबकि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में जून महीने के अंतिम दिनों या जुलाई महीने की शुरुआत में मानसून पहुंचने की सम्भावना बन रही है। जून महीने में तापमान सामान्य के आसपास बने रहेंगे, जबकि जून महीने में बारिश सामान्य से अधिक रहेगी।

जिला महेंद्रगढ़ का मिजाज

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में आंशिक बादलवाही देखने को मिल रही है। हालांकि मौसम आमतौर पर शुष्क बना हुआ। जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात के तापमान क्रमशः 35.5, 21.5 डिग्री सेल्सियस व 36.1, 22.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिले में दिन का तापमान सामान्य से 6.8 डिग्री सेल्सियस व रात के तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से नीचे बने हुए हैं।

खबर संक्षेप

डालनवास में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आज

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार आमजन को घर द्वार पर ही सरकार की योजनाओं का लाभ देने के उद्देश्य से प्रत्येक माह लगाए जा रहे रात्रि ठहराव कार्यक्रम की कड़ी में जिला प्रशासन की ओर से दो जून को खंड सतनाली के गांव डालनवास में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि इस शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से स्टाल लगाई जाएंगी।

मोहल्ला परस बड़ के पेड़ के पास सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात कैलाश चंद सोनी के निवास स्थान मोहल्ला परस बड़ के पेड़ के पास सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। राकेश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे।

वार्ड समिति में योगेश सैनी को मिली जिम्मेदारी

नारनौल। नगर पालिका नांगल चौधरी की ओर से वार्ड नंबर चार की समिति का गठन किया गया, जिसमें समाजसेवी योगेश सैनी को सदस्य मनोनीत किया गया है।

योगेश सैनी लंबे समय से सामाजिक कार्यों, पर्यावरण संरक्षण, जल सेवा, रक्तदान जागरूकता व बेजुबान पशुओं की सेवा से जुड़े हुए हैं। वह युवा साथी ग्रुप हरियाणा तथा उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सक्रिय सदस्य हैं तथा विभिन्न जनहित कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे है।

नारनौल में पानी पर बढ़ा जनाक्रोश : पांच दिन में दूसरी बार सड़कों पर उतरीं महिलाएं

जल संकट पर महिलाओं का हल्लाबोल पब्लिक हेल्थ कार्यालय में फोड़े मटके

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरसे परिवार, एक साल से बनी हुई है बावड़ीपुर की समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भीषण गर्मी में भी शहर के कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति लगातार गिरती जा रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि लोगों को पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को झेलनी पड़ रही है, जिन्हें घर की जरूरतों के लिए पानी जुटाने की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है। इसी परेशानी और नाराजगी ने सोमवार को आंदोलन का रूप ले लिया, जब बावड़ीपुर मोहल्ले की महिलाओं ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पब्लिक हेल्थ) के कार्यालय पहुंचकर मटके फोड़ते हुए जोरदार प्रदर्शन किया।

निजामपुर रोड स्थित विभागीय कार्यालय में पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग को लेकर धरना दिया और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। महिलाओं का कहना था कि पिछले करीब एक वर्ष से उनके क्षेत्र में पानी की समस्या बनी हुई है, लेकिन शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। पूर्व पार्षद बनवारी सैनी की अध्यक्षता में हुए प्रदर्शन में करीब 20 से 25 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने खाली मटके फोड़कर यह संदेश देने की कोशिश की कि उनके घरों के मटके खाली पड़े हैं।

नारनौल। जनस्वास्थ्य विभाग कार्यालय पर मटका फोड़ प्रदर्शन करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

देवस्थान की मोटर बनी थी बड़ी परेशानी का कारण

शहर में पेयजल संकट का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले वार्ड नंबर 20 के मोहल्ला देवस्थान में पानी की मोटर बार-बार जलने के कारण लोगों को भीषण गर्मी के दौरान भारी परेशानी झेलनी पड़ी थी। मोटर खराब होने से देवस्थान, काबली संघीवाड़ा, बड़का कुआं, बावड़ीपुर और गुरुनानकपुरा के कुछ हिस्सों में बार-बार पेयजल आपूर्ति बाधित होती रही। इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली गृहिणियों पर पड़ा, जिन्हें पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ा। पूर्व नगर पार्षद घनश्याम दास शर्मा ने कई बार इस मुद्दे को उठाकर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। हालांकि समस्या के समाधान में देरी के कारण लोगों को कई दिनों तक परेशानियां झेलनी पड़ी थी।

गर्मी में सबसे ज्यादा बढ़ी महिलाओं की परेशानी

पेयजल संकट का सबसे अधिक असर महिलाओं पर पड़ रहा है। घरों में बच्चों, बुजुर्गों और अन्य सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी की व्यवस्था करना उनकी जिम्मेदारी होती है। ऐसे में जब कई दिनों तक नलों में पानी नहीं आता तो उन्हें दूसरे इलाकों से पानी जुटाने के लिए भटकना पड़ता है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि कभी-कभी पानी की सप्लाई आती भी है तो बेहद कम समय के लिए आती है, जबकि कई बार कई दिनों तक नल सूखे रहते हैं। बढ़ती गर्मी और लू के बीच पानी की यह समस्या लोगों के लिए किसी संकट से कम नहीं है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो आंदोलन को और बड़ा रूप दिया जाएगा।

अधिकारियों ने दिया समाधान का भरोसा

प्रदर्शन और हंगामे की सूचना मिलने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ मुकेश कुमार तथा जेई नरेश कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इसके बाद दोनों अधिकारी महिलाओं के साथ बावड़ीपुर मोहल्ले में पहुंचे तथा मौके पर जाकर जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने अपना धरना समाप्त कर दिया। प्रदर्शन में शारदा देवी, पायल, पुष्पा, बिमला, रामरती सहित कई महिलाएं मौजूद रहीं।

पांच दिन पहले सड़क जाम अब मटका फोड़ प्रदर्शन

सबसे अहम बात यह है कि बावड़ीपुर के लोगों ने पांच दिन पहले भी अपने गुस्से का इजहार किया था। पिछले बुधवार को क्षेत्र की महिलाओं ने निजामपुर रोड पर हैफेड के पास सड़क जाम कर दिया था। उस समय महिलाओं का आरोप था कि करीब एक सप्ताह से उनके घरों तक पानी नहीं पहुंचा था। करीब एक घंटे तक चले जाम के दौरान लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। महिलाओं ने कहा था कि गर्मी के मौसम में पीने के पानी से लेकर नहाने, कपड़े धोने और अन्य घरेलू कार्यों तक सभी प्रभावित हो रहे हैं। मजबूरी में लोगों को निजी टैंकरों से पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। महिलाओं के अनुसार एक टैंकर का पानी मुश्किल से दो या तीन दिन ही चल पाता है। इसके बाद फिर पानी की व्यवस्था के लिए भागदौड़ शुरू हो जाती है। सड़क जाम के समय अधिकारियों ने समाधान का भरोसा दिया था, लेकिन समस्या बरकरार रहने पर महिलाओं ने इस बार सीधे विभागीय कार्यालय पहुंचकर विरोध दर्ज कराया।

माली टीबा में भी पांच दिनों से सूखे हैं नल

शहर के माली टीबा मोहल्ले में भी पिछले पांच दिनों से पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चिलचिलाती गर्मी में उन्हें पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार तालाब भरने और जल संरक्षण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन लोगों के घरों तक नियमित पानी नहीं पहुंच पा रहा। मोहल्लावासियों ने चेतावनी दी है कि यदि तुरंत प्रभाव से जलापूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे बैठक कर आगे की रणनीति तय करेंगे और आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

नांगल चौधरी। एसडीएम को ज्ञापन सौंपने कार्यालय में पहुंचे वार्ड 11 के निवासी।

वार्ड वासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

शहर के वार्ड 11 में एक साल से दूषित पेयजल की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नगर पालिका के वार्ड 11 में बीते करीब एक साल से दूषित पेयजल की सप्लाई हो रही है। साथ ही आधे वार्ड में पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो पाती। जिससे आक्रोशित वार्ड वासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पेयजल सप्लाई को दुरूस्त कराने की गुहार लगाई है। सोनू तंवर, नीरज कुमार, दलीप सैनी, राकेश कुमार, रामसिंह सैनी ने बताया कि पब्लिक हेल्थ विभाग ने वार्डों में लोहे की पाइप दबाकर पेयजल सप्लाई पहुंचाई है।

निर्धारित प्वाइंटों पर वॉल्व लगाने का प्रपोजल तैयार किया गया था, ताकि ऊंचाई के मोहल्लों में समान सप्लाई उपलब्ध हो सके, लेकिन वार्ड 11 की पाइप लाइन पर वॉल्व नहीं लगाया, जिस कारण पानी की बहाव ढलान की तरफ होता है। आधे वार्ड में पेयजल संकट की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा पाइप लाइन कई जगह लीकेज हो चुकी, जिससे दुषित पानी की सप्लाई होने लगी है। उन्होंने बताया कि शुरूआत के 15 से 20 मिनट तक नलकूपों में बदबू और

मिट्टी मिला हुआ पानी आता है। जिससे लोगों को डायरिया व संक्रमित बीमारियां पनपने का खतरा बढ़ गया है।

समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवाया गया था। उन्होंने 24 घंटे में समाधान का भरोसा भी दिया था, लेकिन 10 बीतने के बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है। जिससे गुस्साए लोगों ने सुबह वार्ड में बैठक आयोजित की। इसके बाद एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर तीन दिन में वॉल्व लगाने तथा स्वच्छ पेयजल सप्लाई करने का अल्टीमेटम दिया। अन्यथा खंड मुखियालय पर धरना प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

स्नातक प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

- 15 जून तक भर सकेंगे स्नातक प्रथम वर्ष के ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश नोडल अधिकारी एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. गगनदीप यादव ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रथम वर्ष (यूजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 जून कर दी गई है। अब इच्छुक विद्यार्थी 15 जून तक विभाग के ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। डॉ. गगनदीप यादव ने बताया कि विभाग द्वारा प्रवेश प्रक्रिया का संशोधित एवं विस्तृत कार्यक्रम शीघ्र जारी किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है, उनके लिए यह सुनहरा अवसर है कि वे समय रहते अपना प्रवेश आवेदन पूर्ण करें। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर बीए, बीकॉम, बीसीए, बीएससी लाइफ साइंस तथा बीएससी फिजिकल साइंस पाठ्यक्रमों में प्रवेश उपलब्ध हैं। सभी प्रवेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के प्रावधानों के अनुसार किए जाएंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं तथा उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे बढ़ाई गई समय सीमा का लाभ उठाते हुए शीघ्र ऑनलाइन आवेदन करें और अपने भविष्य को नई दिशा देने के लिए राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ से जुड़ें। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने बताया कि महाविद्यालय में अनुभवी एवं योग्य शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य किया जाता है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्वः 8 को कुरुक्षेत्र से रवाना होगी विशेष ट्रेन

- 6 तक सरल पोर्टल पर कर सकते हैं पंजीकरण

नारनौल। हरियाणा सरकार की ओर से प्रदेश के पात्र वृद्धजनों को गुजरात स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्ष की अटूट आस्था के तहत यह वर्षव्यापी कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसी कड़ी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आठ जून को कुरुक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन रवाना को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र लाभार्थी 6 जून तक सरल पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पात्र नागरिक समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी हरियाणा का मूल निवासी हो तथा उसकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। यात्रा के दौरान सभी लाभार्थियों को अपना मेडिकल सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा। लाभार्थियों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत जो वृद्ध जन पिछले तीन वर्ष के अंदर इस योजना का लाभ ले चुके हैं। वह इस योजना के तहत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर जाने के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को पुराने लघु सचिवालय में स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगी, ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें।

315 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक सुरक्षित निस्तारण के लिए सोनीपत भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व नगर परिषद के सहयोग से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए जब्त किए गए प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री का सुरक्षित व वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। कुल 315 किलोग्राम जब्त सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री को सुरक्षित निस्तारण के लिए जेबीएम एनवायरो वेस्ट टू एनर्जी प्लांट ताजपुर मुरथल जिला सोनीपत भेजा गया। क्षेत्रीय अधिकारी विजय चौधरी ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग, भंडारण व बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट की भावना के अनुरूप क्षेत्रीय अधिकारी विजय चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आम नागरिकों, दुकानदारों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों व संस्थानों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, भंडारण व बिक्री पूर्णतः बंद करें। सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है तथा इसके कारण भूमिए जल एवं वायु प्रदूषण में वृद्धि होती है।

नारनौल। जब्त की गई प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक को सोनीपत ले जाता वाहन। फोटो : हरिभूमि

मांगा विवरण किस खंड में सर्वे का कितना कार्य पूरा, लंबित कार्यों की स्थिति की 'गांव वाइज' विस्तृत सूचना

जिला शिक्षा अधिकारी ने समय सीमा बीत जाने के बाद भी सर्वे की रिपोर्ट न मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की

मैन्युस्क्रिप्ट सर्वे में देरी पर डीईओ सख्त, सभी बीईओ से मांगी रिपोर्ट, कल बुलाई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

'ज्ञान भारतम मिशन' के तहत होने वाले मैन्युस्क्रिप्ट सर्वे की गति पर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने समय सीमा बीत जाने के बाद भी सर्वे की रिपोर्ट न मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। इस संबंध में जिला कार्यालय द्वारा सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को एक आधिकारिक पत्र जारी कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

एडीसी ने जारी किया नोटिस

पत्र से यह भी खुलासा हुआ है कि इस महत्वपूर्ण सर्वे कार्य में देरी को लेकर अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा स्वयं जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी किया गया है। उच्च अधिकारियों की इस सख्ती के बाद अब ब्लॉक स्तर के अधिकारियों पर गाज गिरनी तय मानी जा रही है।

डीइओ कार्यालय ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सर्वे कार्य पूरा न होने के कारणों, स्पष्टीकरण और पूर्ण गांव-वार विवरण के साथ दो जून मंगलवार को आयोजित होने वाली मीटिंग में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

बार-बार याद दिलाने के बाद भी लापरवाही

जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी पत्र के अनुसार इससे पूर्व भी कार्यालय द्वारा पत्र और आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से खंड शिक्षा अधिकारियों को लगातार सर्वे रिपोर्ट भेजने के लिए अवगत कराया जा रहा था। इसके बावजूद निर्धारित तिथि एक जून तक कई खंडों से रिपोर्ट जिला कार्यालय को प्राप्त नहीं हुई। डीईओ ने इसे प्रशासनिक कार्यों में एक गंभीर चूक माना है।

क्या कहते हैं डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि 'ज्ञान भारतम् मिशन' के अंतर्गत मैन्युस्क्रिप्ट सर्वे एक अत्यंत महत्वाकांक्षी और प्राथमिकता वाला कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मुस्तैदी से काम करें।

आज सुबह मांगी गई 'गांव वाइज' रिपोर्ट

मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश दिए गए थे कि वे अपने-अपने खंड की अद्यतन रिपोर्ट जल्द से जल्द सोमवार तक हर हाल में जिला कार्यालय में भिजवाना सुनिश्चित करें। इस रिपोर्ट में मुख्य रूप से इन बिंदुओं को शामिल करने के निर्देश हैं। किस खंड में सर्वे का कितना कार्य पूरा हो चुका है। कितना कार्य अभी पेंडिंग (लंबित) है इसका विवरण। लंबित कार्यों की स्थिति की 'गांव वाइज' विस्तृत सूचना।

हरिभूमि सहेली

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महिलाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। इसके लिए बहुत बड़ी कोई कार्य योजना बनाने की भी जरूरत नहीं है। घर के आंगन से ही इसकी शुरुआत कर, वे दूसरों को भी पर्यावरण संरक्षित करने के लिए प्रेरित कर सकती हैं। महिलाएं किन मोर्चों पर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देकर देश को प्रदूषण मुक्त रख सकती हैं, हर तरफ हरियाली बिखेर सकती हैं, जानिए।

विशेष
विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

पर्यावरण सहेजने के मोर्चे पर डटें महिलाएं

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

सदा से ही सब कुछ सहेजने का भाव रखने वाली महिलाएं पर्यावरण को बचाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। अब इस फ्रंट पर बिना देरी किए सार्थक कदम उठाने की भी दरकार है। 2026 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' है। यानी एनवॉयरनमेंट प्रोटेक्शन के लिए जल्द से जल्द कार्रवाई करनी ही होगी। यह विषय हमारी धरती, पर्यावरण और मौसमी बदलावों से जुड़ी हर चेतावनी को समझने का संदेश देता है। ऐसे में महिलाएं तुरंत इस फ्रंट को संभाल सकती हैं। उन छोटे-छोटे कदमों को बढ़ावा दे सकती हैं, जो पर्यावरण बचाने में बहुत कारगर सिद्ध हो सकते हैं। घर हो या बाहर, महिलाएं इस ओर बढ़ने की शीघ्र पहल करें।

आंगन से शुरू हो मुहिम

घर-परिवार में सब कुछ संभालने वाली स्त्रियां आम-सी बातों और आदतों पर ध्यान देकर भी एनवॉयरनमेंट प्रोटेक्शन से जुड़ी कार्रवाई को बल दे सकती हैं। आप भी अपने आंगन से ही इसकी शुरुआत कर सकती हैं। ई-वेस्ट को कम करना, बिजली और पानी की बचत, फूड वेस्ट न करना, आस-पास जाने के लिए पैदल चलना, पेपर-नैपकिन की बजाय रुमाल का यूज करना, रि-साइकिलिंग के लिए घर के कचरे का सही तरीके से निपटारा करने जैसे काम हर घर में किए जा सकते हैं।

वाटर प्यूरीफायर से निकलने वाले वेस्ट पानी से पौधों को सींचना हो या पोंछा लगाने में इस्तेमाल करना। सिंगल-यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने के लिए बाजार जाते हुए थैला साथ रखने की आदत बनानी हो या लाइट, पंखे जैसे उपकरणों को बेवजह चलते ना रहने देना। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए आप खुद भी सजग हों और घर के दूसरे सदस्यों को भी इन आदतों को अपनाने को प्रेरित करें। असल में 'नाउ फॉर क्लाइमेट चेंज' मुहिम का मूल मंत्र भी 'सोच बड़ी, पर शुरुआत छोटी' ही है। डेली लाइफ में छोटे-छोटे बदलाव कर क्लाइमेटिक हालातों पर गहरा असर डाला जा सकता है। बड़ी जनसंख्या वाले हमारे देश में तो ऐसी हर सहज शुरुआत और भी मायने रखती है।

तीज-त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझें

हमारे पर्व-त्योहारों को मनाने से जुड़ी बुनियादी सोच, प्रकृति और इंसान के बीच सहज संतुलन बनाने वाली ही है। कुदरत का आभार और संरक्षण इनसे जुड़े मुख्य संकल्प हैं। ऋतु-परिवर्तन से जुड़े हमारे त्योहार जल, धरती और हरियाली जैसे प्राकृतिक संसाधनों को सहेजने का व्यावहारिक पाठ पढ़ाने वाले रहे हैं। मकर संक्रांति, पोंगल, फूलदेई और बैसाखी जैसे पर्व सीधे तौर पर फसल चक्र और प्रकृति की पूजा से ही जुड़े हैं। वट सावित्री, आंवला नवमी, सरहुल और पीपल पूर्णिमा जैसे बहुत से त्योहार पेड़ों के पूजन-अर्चन के संग धरती की गोद में हरियाली के बने रहने की प्रार्थनाएं भी लिए हैं। तुलसी और केले के पौधे तो हर दिन पूजे जाते हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी, चंदन और फूलों के प्राकृतिक रंग हमारे जीवन का हिस्सा रहे हैं। जल, अग्नि, वायु और आकाश के संतुलन वाली परंपरागत जीवनशैली में मिट्टी की मूर्तियों के पूजन का रिवाज रहा है। विशेष अवसरों पर नदियों और कुओं की पूजा की जाती है। चिंता की बात यह है कि बीते कुछ वर्षों में त्योहारों के रंग-ढंग भी बदल गए हैं। जिसके चलते नदी-तालाब प्लास्टिक से अंट गए हैं। दिखावटी-सजावटी चीजों ने प्रकृति के रंग छीनने का काम किया है। यही वजह है कि इन पर्वों को मनाने वाली स्त्रियां त्योहारों के व्यावहारिक अर्थ समझकर पर्यावरण सहेजने की धुरी बन सकती हैं। प्रकृति को सहेजने के लिए, स्त्रियां इन त्योहारों को पारंपरिक संस्कारों के साथ मनाएं।

बनाएं सहेलियों के समूह

सहेलियां एक-दूजे को देखकर फैशन और स्टाइल ही नहीं, ईको-फ्रेंडली आदतें भी अपना सकती हैं। किट्टी पार्टी या आस-पड़ोस का कोई ग्रुप पर्यावरण सहेजने वाली एक्टिविटीज से भी जुड़ सकती हैं। अपने-अपने घर में किचन गार्डन बना सकती हैं। छत पर सब्जियां और छोटी-सी बालकनी में हरी मिर्च, धनिया, पुदीना जैसे पौधे आसानी से उगा सकती हैं। अपने उगाए सब्जी, फल-फूल आदि एक-दूजे संग शेयर कर खुशियां साझा कर सकती हैं। अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर किसी स्थानीय पार्क में पौधारोपण करने या किसी तालाब की साफ-सफाई का भी प्लान बनाएं। सरकारी संस्थान या किसी संगठन द्वारा रोपे गए पौधों के देखभाल की जिम्मेदारी लें। नई चीजें खरीदने की बजाय मिलकर पुरानी चीजों का मेकओवर करें। यह एक-दूसरे से कुछ क्रिएटिविटी सीखने और कुदरत को सहेजने की सबसे सुंदर राह है। पार्टियों की तस्वीरें ही नहीं, सोशल मीडिया में अपनी इन गतिविधियों को भी शेयर करें। पर्यावरण के प्रति सजगता और जिम्मेदारी रखने का भाव लिए छोटे-छोटे कदम डिजिटल दुनिया में दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा देंगे, वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय होंगी।

परवरिश में घुली हो हरियाली

पर्यावरण का संकट किसी एक व्यक्ति के लिए नहीं पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए हमें तो हर संभव प्रयास करने ही होंगे, साथ ही अपने बच्चों को भी जागरूक बनाना होगा। उनकी परवरिश इस तरह करनी होगी कि बच्चों के व्यवहार-जीवनशैली में पर्यावरण-सजगता शामिल हो।

सजगता
पूर्ति खरे

बच्चे अपने पैरेंट्स और परिवार से जो सीखते हैं, वो उनके व्यक्तित्व का स्थाई हिस्सा बन जाता है। उनकी आदतें, सोच, व्यवहार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण सबकी पहली पाठशाला घर-परिवार ही होती है। ऐसे में यदि बचपन से ही उन्हें प्रकृति के प्रति प्रेम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और संसाधनों के सम्मान की सीख मिले, तो यह केवल आदत नहीं, उनके भावी जीवन की बुनियाद भी रखता है।

व्यवहार में शामिल हो सजगता: आज जब दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, पेय जल संकट, प्रदूषण और घटते जंगलों जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, तब पर्यावरण शिक्षा को केवल बच्चों के स्कूल की किताबों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसे उनके रोजमर्रा की दिनचर्या, व्यवहार और संस्कारों में शामिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बच्चों को अगर हम आज पर्यावरण के प्रति सजग बनने के संस्कार देंगे तो वे जीवनपर्यंत पर्यावरण संरक्षण को लेकर संवेदनशील रहेंगे।

प्रकृति से बढ़ती दूरी है मूल वजह: पहले के समय में पर्यावरण संरक्षण शब्द भले इतना प्रचलित न रहा हो, लेकिन हमारी जीवनशैली प्रकृति के बेहद करीब हुआ करती थी। दादी-नानी की रसोई में प्लास्टिक नहीं, कपड़े के थैले और मिट्टी के बर्तन होते थे। पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझी जाती थी। पेड़ केवल छाया देने वाली वस्तु नहीं, परिवार के सदस्य जैसे माने जाते थे। गर्मियों में घरों के बाहर पक्षियों के लिए पानी रखा जाता था, बचा हुआ खाना पशुओं को दे दिया जाता था और त्योहार भी प्रकृति के अनुकूल मनाए जाते थे। यह सब किसी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि जीवन का स्वाभाविक व्यवहार था। लेकिन आधुनिकता और सुविधाओं की दौड़ में हम प्रकृति से धीरे-धीरे दूर होते चले गए। ऐसे में पर्यावरण शिक्षा को फिर से जीवन के केंद्र में लाना जरूरी हो गया है।

महसूस कराएं प्राकृतिक आत्मीयता: जब बच्चा मिट्टी में पौधे का बीज रोपता है, किसी मुरझाए पेड़ को पानी देता है, किसी चिड़िया को दाना डालता है या पहली बारिश की खुशबू महसूस करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति आत्मीयता जन्म लेती है। आज की पीढ़ी बेहद संवेदनशील और जागरूक है। जरूरत केवल उन्हें सही दिशा देने की है। यदि हम उन्हें यह समझा पाएं कि पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि पक्षियों, जानवरों, पेड़-पौधों और आने वाली पीढ़ियों की भी है, तो वे निश्चित ही जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यह भी सच है कि बच्चों को केवल डर दिखाकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नहीं बनाया जा सकता। इसलिए जरूरी है कि उन्हें प्रकृति की सुंदरता, उसकी उदारता और उससे मिलने वाले सुख का भी अनुभव कराया जाए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि पर्यावरण बचाना कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन को सुंदर बनाने का तरीका है।

बनें बच्चों के रोल मॉडल: बच्चे सबसे ज्यादा अनुकरण घर में करते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को पानी व्यर्थ बहाते, हर छोटी चीज के लिए प्लास्टिक का उपयोग करते या बिजली की अनावश्यक बर्बादी करते देखेंगे, तो वही सीखेंगे। वहीं यदि घर में कपड़े के थैले इस्तेमाल होंगे, पौधों की देखभाल की जाएगी, पानी और बिजली बचाने पर ध्यान दिया जाएगा, तो बच्चे इसे सहज व्यवहार की तरह अपनाएंगे।

ये सरल तरीके भी हैं कारगर : सप्ताह में एक दिन 'नो प्लास्टिक डे' रखा जा सकता है। बच्चों के साथ मिलकर बालकनी या छत पर छोटा-सा किचन गार्डन बनाया जा सकता है। उसकी देखभाल की जिम्मेदारी बच्चों को ही सौंपी जा सकती है। जन्मदिन पर महंगे रिटर्न गिफ्ट्स की जगह पौधे बांटने की शुरुआत की जा सकती है। छुट्टियों में बच्चों को किसी जंगल, नदी या गांव की सैर कराई जा सकती है ताकि वे प्रकृति को वास्तविक रूप में महसूस कर सकें।

अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन आत्मविश्वास बढ़ाने, सफलता पाने की दिशा में बहुत प्रेरक सिद्ध होता है। यह कैसे काम करता है, आपको भी जानना चाहिए।

अफर्मेशन का होता है जादुई असर

स्वप्रेरणा
अंजू जैन

अकसर मनोविज्ञानी, व्यवहार विशेषज्ञ, समाजशास्त्री और प्रेरक वक्ता, जीवन में आगे बढ़ने, सुकून और समृद्धि हासिल करने के लिए अफर्मेशंस को बहुत प्रभावी मानते हैं।

क्या हैं अफर्मेशन: अफर्मेशन यानी सकारात्मक कथन, मस्तिष्क को रीप्रोग्राम करने की एक वैज्ञानिक तकनीक है, जो न्यूरोप्लास्टिसिटी के माध्यम से तनाव कम करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाती है। शोध बताते हैं कि यह तकनीक मस्तिष्क के रिवॉर्ड सिस्टम को सक्रिय करती है और सेल्फ वर्थ की भावना को बढ़ाती है।

अफर्मेशन के प्रमुख फायदे: यह तनावपूर्ण स्थितियों में शांत रहने और मानसिक लचीलापन बढ़ाने में मदद करती है। साथ ही सकारात्मक कथन, मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करते हैं, जो आत्म-धारणा और समस्या-समाधान से जुड़े होते हैं। ये कथन नकारात्मक विचारों को बदलते हैं, आत्म-संदेह और डर को दूर करते हैं। वैज्ञानिक सोच पर अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारा मस्तिष्क लगातार बदलता रहता है। अफर्मेशन तकनीक नए तंत्रिका मार्ग बनाने में मदद करती है, जिससे सोचने का तरीका बदलता है।

प्रभावी ढंग से करें अफर्मेशन का उपयोग: अफर्मेशन का प्रभावी उपयोग करने के लिए अपने लक्ष्यों और मूल्यों के अनुसार स्वयं के कथन बनाएं। इन्हें दोहराना अपनी दैनिक आदत बनाएं, जैसे सुबह या रात को सोने से पहले। इन्हें गहराई से अपनाना होगा और रोज महसूस करना होगा। यह मस्तिष्क को शांत, अधिक लचीला और लक्ष्यों के प्रति केंद्रित बनाने का एक सिद्ध और वैज्ञानिक तरीका है।

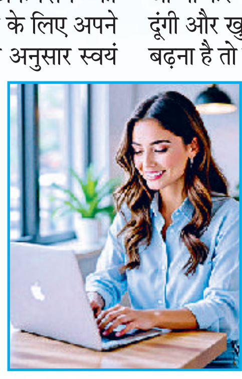

अपनाएं 10 कारगर अफर्मेशन: कुछ ऐसे सकारात्मक विचार हैं, जो हर महिला के मन में होने चाहिए। ये आपको प्रेरित करेंगे, आत्मविश्वास को भी बढ़ाएंगे।

आत्मसम्मान के लिए: मैं पर्याप्त हूं और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। मेरे लिए सबसे पहले अपना आत्मसम्मान है।

फोकस के लिए: मेरी ऊर्जा अनमोल है, मैं इसे केवल उन चीजों पर लगाती हूं, जो मुझे आगे बढ़ाती हैं। फालतू की चीजें या सिर्फ दूसरों को खुश करने के लिए मुझे ऊर्जा और सुकून नष्ट नहीं करना चाहिए।

साहस के लिए: मैं अपनी क्षमताओं पर विश्वास करती हूं और हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। खुद मुझे ही आगे बढ़कर अपनी मुसीबतों का सामना करना है।

स्वावलंबन के लिए: मैं अपनी खुशियों की खुद निर्माता हूं। मैं दूसरों पर निर्भर नहीं रहूंगी। आत्मनिर्भरता मेरे लिए आवश्यक है।

कार्यकुशलता के लिए: आज मैं जो भी करूंगी, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी और खुद पर गर्व करूंगी। आगे बढ़ना है तो मुझे मेहनत करनी होगी।

विकास के लिए: गलतियां करना सीखने का हिस्सा है। मैं उनसे डरती नहीं, बल्कि आगे बढ़ती हूं। भला किससे गलतियां नहीं होतीं।

सेल्फ-केयर के लिए: मैं अपने शरीर और मन का सम्मान करती हूं और उनकी देखभाल करना मेरी प्राथमिकता है। मेरी खुशी मेरे लिए सर्वोपरि है।

समृद्धि के लिए: मैं सफलता और प्रचुरता के योग्य हूं। जब मेरे भाई-बहन, दोस्त आगे बढ़ सकते हैं तो मैं भी बढ़ सकती हूं।

मानसिक शांति के लिए: मेरा शांत स्वभाव ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। शांत मन ज्यादा शक्तिशाली होता है।

सेल्फ-लव के लिए: मैं जैसी हूं, वैसी ही सुंदर और शक्तिशाली हूं। मुझे दूसरों से सर्टिफिकेट नहीं चाहिए। आप इनमें से अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को डेस्क कैलेंडर या स्टिकी नोट पर लिखकर टेबल पर रख सकती हैं।

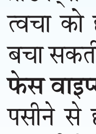

सीजनल केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ट्रैवलिंग में साथ रखें ये प्रोडक्ट्स मेंटेन रहेगा ग्लोइंग मेकअप

गर्मी की छुट्टियों में बहुत से लोग अपने परिवार, दोस्तों के संग हिल स्टेशंस या अन्य पर्यटक स्थलों पर घूमने जाते हैं ताकि नेचर का आनंद ले सकें और शहरों की भाग-दौड़ भरी उबाऊ जिंदगी से राहत मिल सके। लेकिन इस मौसम में खुले वातावरण में घूमने से पसीने, टैनिंग, त्वचा में जलन, सनबर्न से ब्यूटी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन अगर आप ट्रैवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स रखती हैं तो आप इस मौसम में त्वचा को होने वाले नुकसानों से खुद को बचा सकती हैं।

फेस वाइप्स: गर्मी में सबसे ज्यादा परेशानी पसीने से होती है। तेज धूप की वजह से ऑयली स्किन पर गंदगी और तेल जम जाता है। इससे चेहरा डल लगता है और मेकअप भी खराब हो जाता है। इसलिए इस मौसम में जब भी आप घूमने जाएं तो अपने साथ फेस वाइप्स जरूर रखें। फेस वाइप्स से बिना पानी के चेहरे की त्वचा साफ हो जाती है और चेहरे की नर्व्स में ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ता है। गीले फेस वाइप्स को आप अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकती हैं। जब आपके पास पानी और फेस वॉश उपलब्ध नहीं हो तो इसे यूज करें। इससे आपकी स्किन तुरंत साफ और फ्रेश लगेगी।

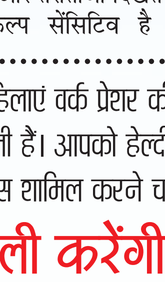

ड्राई शैंपू: यात्रा के दौरान कई बार बालों को धोने का कम ही समय मिल पाता है। ऐसे में ड्राई शैंपू काफी मददगार हो सकता है। ड्राई शैंपू पानी रहित उत्पाद है, जिसे बालों को साफ करने के लिए आमतौर पर स्प्रे या पावडर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसे सिर की त्वचा पर लगाया जाता है और यह बालों से तेल या सीबम को सोख लेता है, जिससे बाल साफ और तरोताजा दिखते हैं। यदि आपकी स्कैल्प सेंसिटिव है तो अल्कोहलबेस्ड या सुगंधित ड्राई शैंपू से बचें।

वाटर प्रूफ काजल: अधिकतर महिलाएं अपनी सुंदरता को निखारने के आंखों पर काजल लगाना खूब पसंद करती हैं। लेकिन गर्मी के मौसम में पसीने से काजल फैलने की समस्या हो सकती है। इस समस्या से बचने के लिए वाटर प्रूफ काजल आपकी मदद कर सकता है। वाटर प्रूफ काजल आंखों पर लंबे समय तक मेंटेन रहता है। इन्हें लगाने से आंखों को परेशानी नहीं होती है और सेंसिटिव आंखों वाली महिलाओं के लिए भी उपयुक्त होता है। जैल आधारित काजल 12 घंटों तक टिका रहता है, जिसे आप ब्रश की मदद से लगा सकती हैं।

ग्लिटर: ग्लिटर नाखूनों को एक नया लुक देता है, जिससे साधारण मेनीक्योर भी खास दिखने लगता है। ग्लिटर मेनीक्योर अनेक प्रकार के कस्टमाइजेशन का अवसर प्रदान करता है और विभिन्न रंगों और फिनिश के साथ आपके सौंदर्य को निखारता है।

डाइट एडवाइस
विधि

आमतौर पर महिलाएं वर्क प्रेशर की वजह से ब्रेकफास्ट में कुछ भी खा लेती हैं या स्किप कर देती हैं। आपको हेल्दी और एक्टिव रहने के लिए अपने ब्रेकफास्ट में ऐसे फूड्स शामिल करने चाहिए, जिससे आपको एनर्जी मिल सके।

जब डेली करेंगी न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट आप रहेंगी हेल्दी-एनर्जेटिक

डॉक्टर्स कहते हैं कि दिन की शुरुआत हैवी ब्रेकफास्ट से होनी चाहिए। इससे पूरे दिन एनर्जी बनी रहती है लेकिन बहुत सी महिलाएं, सुबह की भाग-दौड़ और काम में ब्रेकफास्ट पर ध्यान नहीं देती हैं या बिना ब्रेकफास्ट किए ही रह जाती हैं। डेली न्यूट्रिशस ब्रेकफास्ट नहीं करने से सारा दिन सुस्ती और आलस महसूस होता है। वीकनेस आने लगती है। नाश्ते में ऐसी चीजें खानी चाहिए, जो हेल्दी हों। क्योंकि सही ब्रेकफास्ट दिनभर एनर्जेटिक और एक्टिव बनाए रखता है। ब्रेकफास्ट हेल्दी होने से कई सारी बीमारियां भी शरीर से दूर रहती हैं, साथ ही मेंटल हेल्थ भी बेहतर रहती है और इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

क्या खाएं: सुबह के नाश्ते में जितना हो सके हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए। प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके लिए ताजे फल, स्प्राउट्स, ओट्स, अंडा, दलिया, सूजी, मूंग दाल चीला, ड्राई फ्रूट्स, दूध को ब्रेकफास्ट में शामिल करना चहिए। सुबह के ब्रेकफास्ट में परांठों की जगह उपमा, नमकीन दलिया, घी लगी रोटी शामिल करना फायदेमंद होता है। प्रोटीन से भरपूर नाश्ता आपके शरीर को दिनभर की ऊर्जा देने में मदद करता है। प्रोटीन-रिच नाश्ते में उबले हुए अंडे, पनीर, दही, दलिया या ओटमील, मूंग दाल का चीला खा सकती हैं। फाइबर पाचन को सही बनाए रखने में मदद करता है। यह दिल के लिए भी अच्छा होता है। फाइबर से भरपूर ब्रेकफास्ट के लिए फलों का सलाद, साबुत अनाज की ब्रेड या परांठे, आलू या शकरकंदी की चाट खा सकती हैं। हेल्दी फैट से शरीर को एनर्जी मिलती है। यह शरीर के लिए जरूरी हार्मोन के प्रोडक्शन में भी मददगार है। इसके लिए एवोकाडो, नट्स, मूंगफली का मक्खन, अलसी का तेल ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकती हैं। फ्रेश फल और सब्जियां न सिर्फ शरीर को हाइड्रेट करते हैं, बल्कि ये जरूरी विटामिन और मिनरल्स से भी भरपूर होती हैं। ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मददगार हैं। शरीर को पूरे दिन हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी के अलावा, ब्रेकफास्ट में नीबू पानी, नारियल पानी, ग्रीन टी लेना भी अच्छा होता है। मीठे के लिए ब्रेकफास्ट में शहद, मेपल सिरप या गुड़ का इस्तेमाल कर सकती हैं। एक छोटे से फल जैसे कि आम, पपीता या सेब को भी मिठास के लिए शामिल कर सकती हैं। नाश्ते में स्मूदी केला और दूध एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। बिना अतिरिक्त मात्रा में नमक या चीनी की दही का ऑप्शन भी सेहतमंद होता है।

क्या न खाएं: ब्रेकफास्ट में कुछ फूड आइटम्स को नहीं खाना चाहिए।

वाइट ब्रेड: सफेद ब्रेड को लो क्वालिटी के कार्ब्स के साथ प्रोसेस किया जाता है, जिससे मोटापा, ब्लड शुगर बढ़ने और हार्ट डिजीज का खतरा भी पैदा होता है।

समोसा-पकौड़े: तली हुई चीजें खाने से सीने में जलन, पेट में भारीपन और शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है।

मीठा दही: इससे शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ सकती है।

इंस्टेंट नूडल्स: इनमें बहुत ज्यादा नमक, प्रिजरवेटिव्स और अनहेल्दी फैट्स होते हैं, इसलिए ये सुबह के खाने के लिए बिल्कुल हेल्दी नहीं होते हैं।

(डायटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

सीजेएम ने ली अधिवक्ताओं और पीएलवी की बैठक

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मैडम नीलम कुमारी की अध्यक्षता में उपमंडल विधिक सेवा समिति महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत व अन्य विशेष लोक अदालतों तथा आम जनमानस तक कानूनी सहायता पहुंचाने के संबंध में पैनल अधिवक्ताओं व पैरा लीगल वॉलंटियर्स की बैठक का आयोजन किया। सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा इसमें विभिन्न प्रकार के समझौता योग्य मामलों का निपटारा आपसी सहमति से किया जाएगा।

सरपंच का भाई गौरव जेईई एडवांस में उत्तीर्ण

मंडी अटेली। संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड 2026 के नतीजे सोमवार को घोषित किए गए, जिसमें अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर के छात्र गौरव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओबीसी (नॉन क्रिमीलेयर) वर्ग में 5851वीं रैंक हासिल की है।

गौरव गांव की सरपंच आरती यादव के छोटे भाई हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। गौरव की सफलता पर सरपंच आरती यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके परिवार के लिए गर्व का क्षण है।

नई शिक्षा नीति के तहत भाषा समर कैंप का शुभारंभ

मंडी अटेली। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिहमा में एक से सात जून तक आयोजित होने वाले भारतीय भाषा समर कैंप का सोमवार को विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार द्वारा विधिवत शुभारंभ किया गया। इस मौके पर विद्यालय में उत्साह और उमंग का वातावरण देखने को मिला जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय प्राचार्य कृष्ण कुमार ने कहा कि भारतीय भाषाएं हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान हैं। इस मौके पर वरिष्ठ प्रवक्ता मधु यादव, पूनम ग्रोवर, भीम सिंह आदि मौजूद थे।

डीसी के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

महंगाई पर इनेलो में रोष, प्रदर्शन कर सरकार की खामियों को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रदर्शन करते इनेलो कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

इनेलो कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन उपायुक्त के माध्यम से सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व इनेलो नेशनल पार्लिअमेंटरी बोर्ड के सदस्य एवं पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा व जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने किया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी, बेरोजगारी, पेपर लीक मामलों, किसानों की समस्याओं, बिजली कटौती तथा पेयजल संकट जैसे मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस अवसर पर पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा ने कहा कि देश व प्रदेश की जनता पहले ही महंगाई की मार झेल रही है, लेकिन इसके बावजूद सरकार लगातार पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और एलपीजी गैस के दाम बढ़ाकर आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई के कारण गरीब, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग का जीवन यापन कठिन होता जा रहा है और कहा कि युवाओं के सामने बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया बार-बार विवादों और पेपर लीक घटनाओं की वजह से प्रभावित हो रही है, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। उन्होंने सरकार से पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। वहीं जिला प्रधान सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। डीजल की कीमतों में वृद्धि से खेती और सिंचाई का खर्च बढ़ गया है, जिससे किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जसबीर ढिल्लो, सतबीर बड़ेसरा, जिला प्रवक्ता नवनीत सिंह ढिल्लो, छोटेलाल गेहली, बिल्लू यादव चेयरमैन, लालसिंह तंवर, कप्तान युद्धबीर यादव, बल्ली शेखावत, महिला प्रधान उर्मिला यादव, देशराज यादव, अरुण यादव, जयसिंह सैनी, अमर सिंह जांगड़ा, सुधीर यादव एडवोकेट, मदन शर्मा, विजय सैनी, सुरेश चौधरी, महेंद्र सिंह दहिया, नरसिंह दायमा, धर्मपाल नम्बरदार, बिजेंद्र ढिल्लो, धर्मपाल शर्मा घाटासेर, रमेश यादव, अभय चौधरी पवेरा, रमेश सरपंच, सातपल छिलरो, करण सिंह यादव, सतपाल उन्हाणी, ज्ञानेश्वर निम्बल, सत्यनारायण सैनी, मुकेश नम्बरदार, ईश्वर सिंह, धर्मपाल नम्बरदार, बाबूलाल अकबरपुर, जागेराम पहलवान, भरपूर सिंह आदि मौजूद थे।

शिकायतों का प्राथमिकता से हो समाधान: एसडीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कोर्ट रूम में आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न गांवों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। शिविर में परिवार पहचान पत्र, इंतकाल, बिजली बिल, राशन कार्ड, आय संशोधन तथा राजस्व विभाग से संबंधित 15 शिकायतें प्राप्त हुई। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में आयोजित समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को विभिन्न विभागों के कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ते और एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं पर सुनवाई सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या को गंभीरता से लेते हुए अविलंब समाधान सुनिश्चित करें। एसडीएम ने कहा कि जनता व प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए लोगों की समस्याओं का निवारण शासन -प्रशासन की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं का घर द्वार के समीप निवारण हो, इसके लिए जिला व उपमंडल स्तर पर प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। आमजन इन शिविरों में अपनी शिकायत रख सकते हैं। इस अवसर पर सहायक रोजगार अधिकारी जितेंद्र सिंह, तहसील कल्याण अधिकारी ममता, मत्स्य अधिकारी सोमदत्त सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल का जेईई एडवांस्ड में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय, अभिभावकों एवं पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

इस वर्ष विद्यालय के कुल 29 विद्यार्थियों का चयन जेईई एडवांस्ड 2026 में हुआ है। विद्यालय के मेधावी छात्र प्रवेश पुत्र मुकेश कुमार ने कैटेगरी रैंक 70, मानविक पुत्र सुनील कुमार ने कैटेगरी रैंक 2971, लक्की पुत्र दिनेश कुमार ने कैटेगरी रैंक 4370, प्रवेश पुत्र सतीश कुमार ने कैटेगरी रैंक 5138, वंश पुत्र प्रवीण कुमार ने कैटेगरी रैंक 5489 तथा रुद्रांशु चौहान पुत्र भाग सिंह चौहान ने कैटेगरी रैंक 6148 प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त विद्यालय के अन्य चयनित विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता का नया अध्याय लिखा है। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार ये सभी विद्यार्थी प्रारंभ से ही अत्यंत परिश्रमी, अनुशासित एवं लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे हैं। इन्होंने न केवल सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, बल्कि जेईई मेन 2026 में भी शानदार परिणाम प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। अब जेईई एडवांस्ड में मिली सफलता ने उनकी मेहनत, लगन और समर्पण पर सफलता की मुहर लगा दी है। चेयरमैन डॉ. बीएल यादव ने कहा कि जेईई एडवांस्ड में 29 विद्यार्थियों का चयन होना पूरे टैगोर परिवार के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है। डायरेक्टर राहुल यादव ने छात्रों अपनी प्रतिभा, लगन और अथक परिश्रम से विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। सीईओ डॉ. निशा यादव ने कहा विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है।

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका नवीन शिक्षण पद्धतियों से करवाया गया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंसए गुरुग्राम के तत्वावधान में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नवीन शिक्षण तकनीकों व प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना था, ताकि वे अपने कौशल का विकास कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य वेदपाल यादव, चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव व उपप्राचार्य संदीप खैरवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राइमरी हेड उमा यादव ने की। कार्यशाला में सीबीएसई रिसोर्स पर्सन राकेश कुमार व नरसिंह चाहर ने शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख प्रावधानों, नवीन शिक्षण तकनीकों, छात्र केंद्रित शिक्षण, कौशल विकास तथा प्रभावी कक्षा प्रबंधन के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि इस प्रकार की प्रशिक्षण कार्यशालाएं शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उपप्राचार्य संदीप खैरवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण तकनीकों का ज्ञान प्राप्त होगा। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने कहा कि इस कार्यशाला ने शिक्षकों को अपने कौशल को निखारने तथा आधुनिक शिक्षण पद्धतियों को अपनाने का अवसर प्रदान किया है।

डा. मुनेश यादव हकेंवि में बनी अस्टिटैंट प्रोफेसर

महेंद्रगढ़। प्रो. डॉ बीरसिंह यादव की बेटी डा. मुनेश यादव का अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अस्टिटैंट प्रोफेसर के पद चयन हुआ है।

इससे क्षेत्र में खुशी का माहौल व्याप्त है। डा. मुनेश यादव ने गत 27 मई को विधिवत रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया है। डा. मुनेश यादव ने हकेंवि से एमफीएल एवं पीएचडी की डीग्री प्राप्त की थी तथा वनस्थली विद्या पीठ से एमए अंग्रेजी विषय में विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया था तथा नेट एवं जेआरएफ की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुकी है। डा. मुनेश यादव वर्ष 2016 से महिला महाविद्यालय नारनौल में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थी। डा. मुनेश यादव की इस उपलब्धि पर पूर्व प्राचार्य बस्ती राम यादव, पूर्व प्राचार्य संजय जोशी, प्रो. सुमेर सिंह यादव, प्रो. वेदप्रकाश, पूर्व प्राचार्य आरएन यादव, महिला महाविद्यालय नारनौल के प्राचार्य डा. आरपी सिंह एवं महिला महाविद्यालय महेंद्रगढ की प्राचार्या कविता रानी, प्रो. मक्खन सिंह आदि ने हार्दिक बधाई दी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं: एसडीएम

नारनौल। लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होना बेहद जरूरी है। निर्वाचन आयोग के इसी उद्देश्य को अमलीजामा पहनाने के लिए कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोमवार को स्थानीय पंचायत भवन में बीएलओ की समीक्षा बैठक ली। बैठक में एसडीएम ने मतदाता सूची के अपडेशन और पुनरीक्षण कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि इस काम में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत व स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम सूची से हटाने और त्रुटियों को ठीक करने का काम पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि यह पूरा कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर संपन्न होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि बीएलओ केवल कागजी औपचारिकता न निभाएं, बल्कि अपने अपने क्षेत्रों में फील्ड में उतरकर घर घर जाएं। प्रत्येक परिवार का गंभीरता से मतदाता सत्यापन किया जाए, ताकि कोई भी योग्य नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। बैठक के दौरान कानूनगो पूनम ने उपस्थित स्टाफ को निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने रिकॉर्ड को पूरी तरह अपडेट रखें, ताकि स्क्रूटनी के समय किसी भी प्रकार की विसंगति सामने न आए। बैठक में नए युवाओं को वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से बैठक में मतदाता जागरूकता अभियान पर भी चर्चा हुई।

सात दिवसीय जिला एनएसएस शिविर में ट्रैफिक एसएचओ अमरजीत सिंह ने लिया भाग

स्वयंसेवकों को दी यातायात नियमों की जानकारी

जल संरक्षण व बचत की जिम्मेदारी समान रूप से हम सभी की : धर्मसिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। स्वयंसेवकों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह। फोटो : हरिभूमि

डीएवी स्कूल में आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय जिला एनएसएस शिविर में मुख्य अतिथि ट्रैफिक एसएचओ अमरजीत सिंह ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्राचार्य राजेश कुमार ने की। इस अवसर पर ट्रैफिक एसएचओ ने कहा कि ट्रैफिक नियमों की जानकारी के अभाव में सड़क दुर्घटनाएं तेजी से बढ़ रही है।

सड़क यातायात नियमों की जानकारी हम सबके लिए जरूरी है। जीवन में कभी भी नशा करके गाड़ी ना चलाएं। गाड़ी चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें। उन्होंने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए गोल्डन हावर की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि दुर्घटना के बाद पहला घंटा घायल के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसमें समय पर उपचार मिलने पर बचाने की संभावना बढ़ जाती है। कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह ने जल संरक्षण पर व्याख्यान देते हुए बताया कि जल संरक्षण व बचत की जिम्मेदारी समान रूप से हम सभी की है, हमें जल को हर हाल में बचाना है और जल स्त्रोतों को दूषित होने से बचाना है, जल स्त्रोतों मैं बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय है। जल संकट हम सब की साझा चुनौती है इसलिए समाधान भी हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रात कालीन सत्र में स्वयंसेवकों ने विद्यालय प्रांगण में श्रमदान करके स्वच्छता का संदेश दिया।

कार्यक्रम अधिकारी राजेश बालवान ने प्रेरक गीत के माध्यम से युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी कप्तान सिंह व राजेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता पर व्याख्यान दिया। स्वयंसेवक पल्लवी, प्रियंका, पायल, योगिता, मानवी, मुस्कान आदि ने देशभक्ति से प्रेरित संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

एनएसएस जिला समन्वयक चरण सिंह ने स्वयंसेवकों को एनएसएस की गतिविधियों की जानकारी दी। विजय पारीक ने मंच संचालन किया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी विजय पारीक, राजेंद्र, बत्रा, पूजा, गुड़िया, अनीता, बिल्लू, धनराज, पंकज आदि उपस्थित थे।

पुण्यतिथि पर लगाई गोवंश के लिए सवामाणी

नारनौल। संस्था का बेजुबानों के लिए चल रहे अभियान के तहत गोशाला में सवामाणी का आयोजन किया गया। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की नांगल चौधरी टीम के सक्रिय सदस्य महेंद्र सैनी ने अपने स्वर्गीय पिता रामनिवास सैनी की पुण्यतिथि के अवसर पर बाबा मुकंददास गोशाला नांगल चौधरी में गो सवामाणी लगाकर गोसेवा का प्रेरणादायी कार्य किया। महेंद्र सैनी ने कहा कि माता व पिता की स्मृति में किए गए सेवा कार्य समाज को सकारात्मक संदेश देने का कार्य करते है। इस मौके पर योगेश सैनी, गोलू, रविंद्र, मोहन, वंश, मनोज ठाकुर, मंजीत ठाकुर, कुकु शर्मा, राहुल, चोटी शर्मा, भवानी, अंकित, मासूम सैन आदि मौजूद थे।

न्यूज डायरी

आईआईटी जेईई एडवांस में सूरज स्कूल का उम्दा प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। जेईई एड्वांस 2026 के परीक्षा में उम्दा प्रदर्शन करते हुए सूरज स्कूल के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने विद्यालय, क्षेत्र तथा माता-पिता के नाम को रोशन किया। निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस परीक्षा में छात्र लव शर्मा ने 1383वीं रैंक, हिमांशु मीना ने 2548वीं रैंक एवं छात्रा रिया गुप्ता ने 3142वीं रैंक, आयुष धीमान ने 3876वीं रैंक, युवराज ने 4162वीं रैंक, पूजा ने 6288वीं रैंक, हर्षित करारिया 8274वीं रैंक, सुशांत शर्मा 9234वीं रैंक, अभिषेक 9857वीं रैंक, प्रियोक 10357वीं रैंक, समीक्षा 10400वीं रैंक, पियुष ने 11045वीं रैंक सहित यश, अक्षज खंडेलवाल, तन्मय, नंदिनी, वैभव, शिवांगी, साहिल, मुस्कान, दिनेश आदि विद्यार्थियों ने भी अच्छे रैंक के साथ इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने करने में सफलता प्राप्त की।

जेईई एडवांस्ड में यदुवंशी के 41 छात्र रहे सफल

महेंद्रगढ़। देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड 2026 का परिणाम घोषित होते ही यदुवंशी संस्थान में खुशी की लहर दौड़ गई। संस्थान के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तोड़ सफलता हासिल की और अपनी मेहनत, लगन एवं अनुशासन का परिचय दिया। संस्थान के अनेक विद्यार्थियों ने शानदार रैंक प्राप्त कर सफलता का नया इतिहास रचा। इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई दी। सफलता प्राप्त विद्यार्थियों में जीवन ने 239 रैंक, लव चाहर 692 रैंक, पंकज कुमार 2109 रैंक, आविक 2220 रैंक, ष्वेत 2561 रैंक, आरूष बिंदल 2625 रैंक, दीपक 3983 रैंक, वेदांग खत्री 4371, तक्षित 4497 रैंक, तश्विन 4631 रैंक, हर्ष कांतिवाल 6150 रैंक, भारती यादव 6577 रैंक, हर्ष 6837, विनीत 8074 रैंक, शुभम सैनी 10558 रैंक, इशिका 11971 रैंक, प्रिंस 21563 रैंक लेकर सफलता प्राप्त की।

देवयानी का छात्र अनीश आईआईटी एडवांस में सफल

महेंद्रगढ़। देवयानी स्कूल के अनीश ने आईआईटी एडवांस में 4593 रैंक प्राप्त किया। एनटीए द्वारा हाल ही में जारी आईआईटी एडवांस का रिजल्ट में देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के अनीश कुमार ने 4593 रैंक हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि आईआईटी एडवांस के एग्जाम को क्वालीफाई कर अनीश कुमार ने अपने माता-पिता के साथ स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया। अनीश कुमार ने इस वर्ष सीबीएसई एग्जाम में 94 प्रतिशत जेई मैंस में 91 परसेंटाइल प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्राचार्य ने कहा कि इस परीक्षा को पास करने के लिए बच्चे लाखों रुपये खर्च कर कोचिंग संस्थान में पढ़ाई करते हैं। वहीं अनीश ने कक्षा कक्ष में रेगुलर पढ़ाई कर हॉस्टल में रहकर अपना अध्यापक से रात में भी प्रश्नों का सॉल्यूशन लिया।

शोक जताने छिलरो पहुंचे पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत

नारनौल। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने नागल चौधरी के गांव छिलरो पहुंचकर पार्टी के पुराने साथी एवं विक्की श्योराण पिता होशियार सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया और इस दुःख की घड़ी में परिवार की हिम्मत बढ़ाई। इसके बाद गांव निजामपुर पहुंचकर राजबीर डीपी के पिता के निधन पर दुःख व्यक्त किया।

इसके बाद गांव गांगुताना पहुंचकर पूर्व युवा जिला प्रधान जिलेसिंह गुर्जर की ताई के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के निवास स्थान पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके बाद गांव तोताहेड़ी पहुंचकर जाफर की माता के निधन पर दुःख वक्त किया। इस मौके पर एक ओर शोक संवेदनाएं व्यक्त की गई। वहीं दूसरी ओर जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों, महंगाई व किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। इस दौरान जिला प्रधान राजकुमार खातोद, सिकंदर गहली, प्रमोद ताखर, विनोद भील, रामकुमार मकसूसपुरिया, हरचंद तोबड़ा, हजारीलाल लम्बोरिया, जिला प्रवक्ता विजय छिलरो, वीरेन्द्र घाटाशेर, माडूराम, वीरेन्द्र दहिया, संदीप भाखर, अजय चौधरी आदि मौजूद थे।

डीएवी स्कूल में मनाया स्थापना दिवस

नारनौल। एमएलएस डीएवी पब्लिक स्कूल में संस्थान के 141वें स्थापना दिवस के अवसर पर सामूहिक हवन का आयोजन श्रद्धा व उत्साह के साथ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने हवन में भाग लेते हुए वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आहुतियां अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने महात्मा हंसराज के आदर्शों व डीएवी संस्थान की ओर से शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद किया। हवन के माध्यम से विद्यालय परिवार ने समाज और राष्ट्र की उन्नति, शांति और समृद्धि की कामना की। प्राचार्य राजेश कुमार ने अपने संबोधन में डीएवी की स्थापना, उसके गौरवशाली इतिहास व डीएवी आंदोलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि डीएवी विद्यालयों की स्थापना एक जून 1886 को लाहौर में हुई थी और आज यह देश का सबसे बड़ा गैर सरकारी शैक्षणिक संगठन है, जो 900 संस्थानों का प्रबंधन करता है। उन्होंने महात्मा हंसराज के त्याग, सेवा और समर्पण से प्रेरणा लेने का संदेश दिया और हवन के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक व सामाजिक महत्व को स्पष्ट किया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ।

एनएसएस शिविर में एसडी स्कूल के विद्यार्थियों का विशेष सहयोग

कनीना। नारनौल के डीएवी संस्थान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के में एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला के स्वयंसेवकों ने अपनी उत्कृष्ट सेवा भावना और अनुशासन से गहरी छाप छोड़ी है। शिविर में विद्यार्थियों ने विभिन्न सामाजिक जागरूकता गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शिप्रा सारस्वत ने बताया कि स्वयंसेवकों ने मुख्यातिथि विधायक ओमप्रकाश यादव विधायक के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण किया और सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता रैली निकाली। विद्यार्थियों ने रैली व जनसंपर्क के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों के पालन की सीख दी। यह शिविर विद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी देवव्रत व धनराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। चेयरमैन जगदेव ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास व सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

महेंद्रगढ़ भारत विकास परिषद के अध्यक्ष बने रतनलाल माधोगढ़िया

व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्मों से महान बनता है : डॉ. टंकेश्वर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

■ नई कार्यकारिणी का किया गया गठन

भारत विकास परिषद की ओर से परिवार मिलन एवं दायित्व ग्रहण कार्यक्रम राजा मैरिज पैलेस में बीती रात संपन्न हुआ। यहां संबोधन में केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति डा. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है न की जन्म से। कुलपति इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में पधारे हुए थे। भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कुलपति और अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परिषद के सदस्यों ने सभी मेहमानों का पटका पहना कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में भारत विकास परिषद के दक्षिण हरियाणा के प्रांतीय उपाध्यक्ष एडवोकेट राजकुमार से शामिल हुए। परिषद के संस्कार प्रमुख और क्षेत्र के प्रसिद्ध भजन गायक दलीप गोस्वामी ने एक स्वागत गीत गाकर सभी को मंत्र-मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मोहर सिंह बीकानेर रहे। कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी के अंतर्गत अध्यक्ष के पद पर रतनलाल माधोगढ़िया, सचिव रामगोपाल मित्तल, कोषाध्यक्ष पवन भारद्वाज, महिला सहभागिता रीना बंटी, संपर्क प्रमुख रमेश टांक, सेवा प्रमुख डॉ भंवर सिंह, संस्कार प्रमुख दलीप गोस्वामी और पर्यावरण प्रमुख सुरेश सैनी को राजकुमार एडवोकेट ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में समाजसेवी रामकुमार गुप्ता को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, जबकि समाज के अन्य अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं को भी मंच से सम्मानित किया गया। भारत विकास परिषद के जिला समन्वयक भरत खुराना और उपजिला समन्वयक नीरज मित्तल द्वारा जिले में किया जा रहे अभूतपूर्व सेवा कार्यों के लिए सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. टंकेश्वर कुमार ने मंच से परिषद के उन बच्चों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां प्राप्त की हैं। इनमें कमल टांक बैंकिंग क्षेत्र के लिए, सुमेधा यादव पेंटिंग के लिए, अभिषेक गुप्ता, अविषा, सोहम मित्तल और अनुराग गुप्ता तथा डॉ. विपिन माधोगढ़िया को विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मनीष खुराना और रीना गुप्ता ने अपनी कविताओं द्वारा उपस्थित लोगों को आकर्षित किया। मंच का संचालन रमेश टांक ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रगीत तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। अंत में परिषद के संरक्षक विश्वनाथ मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया और परिषद द्वारा आने वाले समय में अधिक सेवा कार्यों को करने के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में परिषद परिवार के सदस्य, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कुलपति प्रो. टंकेश्वर को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पीएम नरेंद्र मोदी ने मोहरसिंह को किया था सम्मानित

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर में स्वच्छता कार्यक्रम के लिए भारत विकास परिषद के मोहर सिंह को विशेष रूप से सम्मानित किया है और उनके रोल मॉडल को पूरे देश में अपनाने की बात कही है। मोहर सिंह ने स्वच्छता कार्यक्रम पर अपने अनुभव सभी श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत किए, जिससे परिषद के अन्य लोगों को भी इस विषय पर कार्य करने की व्यावहारिक रूप से प्रेरणा मिली।

सवा 3 साल तक कैंसर से जूझ रही मां की सेवा में जुटी रही साक्षी

इंजीनियर बेटी ने निभाया हर फर्ज, मौत के बाद मुखाग्नि देकर दी अंतिम विदाई

दो बहनों में छोटी है साक्षी अग्रवाल, भाई नहीं होने से हर जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में सवा तीन साल तक कैंसर से जूझ रही मां की सेवा में दिन-रात एक करने वाली बेटी ने आखिरकार उनकी अंतिम विदाई की जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर ले ली। रविवार को 55 वर्षीय मां मंजू देवी के निधन के बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर साक्षी अग्रवाल ने न सिर्फ उन्हें मुखाग्नि दी, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि बेटियां हर रिश्ते तथा हर जिम्मेदारी को पूरी संवेदनशीलता के साथ निभा सकती हैं। बता दें कि दो बहनों में छोटी साक्षी का कोई भाई नहीं है। मां की बीमारी के दौरान हर पल उनके साथ रहने वाली साक्षी अब 13वीं तक की सभी अंतिम रस्में भी खुद ही निभाएंगी। साक्षी का परिवार रेवाड़ी रोड पर रहता है और उनके पिता बजरंग अग्रवाल शहर के मशहूर शीशा व्यापारी हैं। बजरंग अग्रवाल ने नम आंखों से बताया कि उनकी दो बेटियां कनिका व साक्षी है। बड़ी बेटी कनिका ने एमकॉम तक पढ़ाई की है और उसकी शादी जयपुर में हुई है। छोटी बेटी साक्षी ने जयपुर के जेईसीआरसी फाउंडेशन से कंप्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की है तथा पिछले ढाई साल से बेंगलुरु की एक कंपनी में ग्राउंड सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है।

नारनौल। मां मंजू देवी को कंधा देती बेटी साक्षी अग्रवाल। फोटो: हरिभूमि

सभी रस्में साक्षी अग्रवाल ही निभाएगी

उन्होंने कहा कि साक्षी अग्रवाल का अपनी मां से बेहद गहरा लगाव था। बीमारी के दौरान उसने जिस समर्पण के साथ मां की सेवा की, उसी भाव के साथ अब वह उनकी अंतिम यात्रा की जिम्मेदारी भी निभा रही है। मुखाग्नि देने से लेकर 13वीं तक होने वाले सभी धार्मिक अनुष्ठान व क्रियाकर्म साक्षी अग्रवाल ही पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ संपन्न करेगी।

लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थी मंजू

■ जयपुर के अस्पताल में चल रहा था इलाज, रविवार की सुबह मंजू ने ली अंतिम सांस

बजरंग अग्रवाल ने बताया कि उनकी पत्नी मंजू पिछले सवा तीन साल से ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थी। पिछले दो महीनों में उनकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई और जयपुर के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। इस कठिन समय में साक्षी ने नौकरी के साथ साथ मां की सेवा को प्राथमिकता दी। वर्क फ्रॉम होम की सुविधा मिलने के कारण वह लंबे समय से मां के पास रहकर उनकी देखभाल कर रही थी। दवाइयों से लेकर अस्पताल के चक्कर तथा दिन रात सेवा की। साक्षी हर पल मां के साथ खड़ी रही। मंजू देवी हाउस वाइफ थी। बजरंग ने बताया कि रविवार सुबह मंजू ने अंतिम सांस ली। परिवार में कोई बेटा नहीं होने के कारण साक्षी ने उसी समय साफ कह दिया कि वह अपनी मां की सभी अंतिम रस्में खुद निभाएगी और अंतिम विदाई भी वही देगी। बेटी की इस इच्छा को सुनकर परिवार के अन्य सदस्यों ने भी उसका पूरा साथ दिया।

35 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त आईटीबीपी जवान सुरेश का सम्मान

■ आगे भी समाज कल्याण के कार्यों में योगदान देता रहूंगा : सुरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रगतिशील प्रजापति संगठन जिला महेंद्रगढ़ की ओर से रविवार को कुम्हार धर्मशाला नसीबपुर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संगठन के जिला प्रधान मोहर सिंह की अगुवाई में गणेश कॉलोनी निवासी एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) से 35 वर्ष की गौरवपूर्ण सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए सुरेश कुमार को पगड़ी पहनाकर तथा फूलमाला भेंट कर सम्मानित किया गया।

संगठन के प्रधान मोहर सिंह और सीताराम ने कहा कि आईटीबीपी जैसी प्रतिष्ठित सुरक्षा बल में लंबे समय तक सेवा देना समाज और देश दोनों के लिए गौरव की बात है। सुरेश कुमार ने अपने कर्तव्यों का निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन कर समाज का नाम रोशन किया है। सम्मान के बाद सुरेश कुमार ने कहा कि उन्होंने अब तक देश और परिवार की सेवा की है तथा अब आगे समाज कल्याण के कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके प्रमुख लक्ष्य समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा दहेज प्रथा के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाना रहेगा। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा और सामाजिक जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हैं तथा युवा पीढ़ी को सही दिशा देकर एक बेहतर समाज का निर्माण किया जा सकता है। इस अवसर पर सीताराम, मोहर सिंह, कुंदन लाल, लालाराम, मामचंद, कृष्ण, रूपचंद, राजकुमार, हरद्वारी सरपंच, रमेश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नारनौल। सेवानिवृत्त सुरेश कुमार को सम्मानित किया गया। फोटो: हरिभूमि

अनोखी पहल: समाजसेवा को मिलेगा सम्मान

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से चार जून को जिला रेडक्रॉस सोसायटी में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस शिविर की सबसे विशेष बात यह है कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नेत्रहीन कन्या स्कूल मोहल्ला खड़खड़ी की प्राचार्या कांता गांधी होंगी। आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में विधायक, मंत्री, उद्योगपति या बड़े राजनीतिक व्यक्तियों को मुख्य अतिथि बनाया जाता है, लेकिन संस्था ने समाज को नई दिशा देने वाली शिक्षाविद और सेवाभावी व्यक्तित्व को यह सम्मान देकर एक सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया है। संस्था की इस अनोखी पहल की शहर से लेकर गांवों तक चर्चा हो रही है। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन शिक्षा, सेवा और प्रेरणा से आता है। कांता गांधी वर्षों से शिक्षा व सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है, इसलिए उन्हें मुख्य अतिथि बनाना युवाओं के लिए प्रेरणादायक कदम है। संस्था ने सभी युवाओं व नागरिकों से अपील की है कि वे चार जून को अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें।

प्राचार्या कांता गांधी।

समाधान शिविर में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की शिकायतें

नारनौल। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनती डीसी अनुपमा अंजली।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। इस शिविर में कुल 97 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके उचित समाधान के लिए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशानिर्देश दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक दीपक भी मौजूद रहे। जिन्होंने पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों को सुना और उनके त्वरित निपटारे के आदेश दिए। इस मौके पर उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार और जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का मौके पर ही तुरंत समाधान करना है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार समीक्षा बैठकें भी ली जा रही हैं, ताकि जवाबदेही तय की जा सके। उन्होंने कहा कि समाधान पोर्टल पर आने वाली सभी शिकायतों की प्रगति की समीक्षा खुद मुख्यमंत्री कर रहे हैं। ऐसे में इस पूरी व्यवस्था में लगातार पारदर्शिता बनी हुई है। उपायुक्त ने कहा कि यह समाधान शिविर आम लोगों के लिए अपनी समस्याएं और शिकायतें सीधे उच्चाधिकारियों के सामने रखने का एक बेहतरीन और सुलभ मंच साबित हो रहा है। यहां सबसे बड़ी राहत यह है कि लोगों को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते और एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की समस्याओं का तेजी से निस्तारण किया जा रहा है।

चेक बाउंस के मुकदमों में लोगों को बड़ी राहत

■ लोक अदालत में 35 केस निपटे, 91 लाख रुपये से अधिक का हुआ समझौता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय सहित उप मंडल महेंद्रगढ़ व कनीना में एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की सचिव एवं सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि इस अदालत का मुख्य उद्देश्य चेक बाउंस (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े वर्षों पुराने और लंबित मामलों का सहमति से निपटारा करना था। अदालती मुकदमों में उलझे लोगों को राहत देने और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष लोक अदालत में सुनवाई के लिए चेक बाउंस से जुड़े 180 मामले रखे गए थे। न्यायिक अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और उन्हें आपसी समझदारी व शांतिपूर्ण तरीके से मामले को सुलझाने के लिए प्रेरित किया। वकीलों और जजों की सकारात्मक पहल का ही नतीजा रहा कि 35 मामलों का मौके पर ही हमेशा के लिए निपटारा कर दिया गया।

नारनौल। केसों की सुनवाई करते न्यायिक अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

समय व पैसे की बचत

लोक अदालतों के फायदों पर प्रकाश डालते हुए डीएलएसए सचिव नीलम कुमारी ने बताया कि यह आम जनता के लिए समय और पैसे दोनों की बचत करने का एक बेहतरीन माध्यम है। आपसी समझौते से मुकदमों का निपटारा होने से लोगों को न केवल कोर्ट कचहरी के उबाऊ चक्करों से मुक्ति मिलती है, बल्कि इसमें किसी भी पक्ष की हार नहीं होती। समझौते में दोनों पक्षों की जीत होती है और समाज में आपसी भाईचारा व सौहार्द भी बना रहता है।

नेहा शर्मा ने पेरिस वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया शोध पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित तीन दिवसीय अंतर राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से प्रायोजित अभ्यर्थी के रूप में भाग लेने पर कुमारी नेहा शर्मा को गौड़ ब्राह्मण सभा प्रधान अधिवक्ता राकेश महता ने बधाई दी है। राकेश महता ने बताया कि 27 से 29 मई तक यूरोपियन मैटेरियल्स रिसर्च सोसायटी की ओर से स्ट्रासबर्ग कन्वेंशन सेंटर पेरिस फ्रांस में आयोजित अंतर राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए कुमारी नेहा शर्मा पुत्री मदनलाल शर्मा निहालावास का चयन किया गया था। सम्मेलन में नेहा शर्मा ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसकी वैज्ञानिक समुदाय में काफी सराहना हुई। उन्होंने बताया कि कुमारी नेहा शर्मा वर्तमान में बनस्थली विद्यापीठ टोंक में भौतिकी विषय में पीएचडी कर रही हैं। इससे पूर्व भी उन्हें नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हो चुका है।

नारनौल। पुलिस से सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान करते हुए।

सेवानिवृत्त अफसरों का किया सम्मान

नारनौल। देश व समाज की सुरक्षा में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वीर जवानों व पुलिस अधिकारियों के सम्मान में युवा शक्ति फाउंडेशन सेका की ओर से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर वीरेंद्र तथा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस से सेवानिवृत्त असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रोहतास को उनकी उत्कृष्ट एवं गौरवशाली सेवाओं के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह में आईटीसी फाउंडेशन अटेली के प्रधान पवन कुमार, जन सवेरा टीम के प्रधान वीरेंद्र, युवा साथी ग्रुप हरियाणा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी के प्रधान टिंकू, खेल मंत्री पीयूष सैनी, विधानसभा के युवा नेता मनोज सेकवाल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। सभी अतिथियों ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्र सेवा में समर्पित ऐसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने युवा शक्ति फाउंडेशन की ओर से किए जा रहे सामाजिक कार्यों व सम्मान कार्यक्रमों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रीतम नाईसराना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

नशा तस्करों पर पैनी नजर रख रही पुलिस

मई में 12 केस दर्ज, 24 आरोपी गिरफ्तार

नशीला पदार्थ और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे वाहन पुलिस ने किए जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस की ओर से नशा तस्करों के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत मई माह में काफी सफलताएं हासिल हुई है। पुलिस अधीक्षक दीपक के कुशल दिशानिर्देशन और नेतृत्व में पुलिस की ओर से नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ एक व्यापक और कड़ा अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत विभिन्न थानों, सीआईए की टीमों ने मुस्तैदी से कार्य करते हुए कुल 12 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं, जिनमें नशा तस्करी में लिप्त 24 आरोपितों को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। इन कार्यवाहियों के दौरान आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध नशीला पदार्थ, प्रतिबंधित दवाएं और तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों को भी जब्त किया गया है।

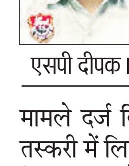

एसपी दीपक।

नशे के धंधे को जड़ से खत्म करना उद्देश्य

इस सघन अभियान के दौरान पुलिस ने 44 किलोग्राम 840 ग्राम भुक्की (चूरा पोस्त), चार किलोग्राम 939 ग्राम गांजा, 115 ग्राम 300 मिलीग्राम चिट्टा (हेरोइन) व स्मैक, 67 ग्राम अफीम तथा 1920 प्रतिबंधित नशीले कैप्सूल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस अधीक्षक दीपक ने पुलिस टीमों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार को जड़ से समाप्त करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी अपराधी या नशा तस्कर को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि वे समाज को नशामुक्त बनाने में पुलिस का सहयोग करें। यदि किसी भी नागरिक को अपने आसपास या क्षेत्र में नशीले पदार्थों की बिक्री अथवा तस्करी के संबंध में कोई भी जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें।